[Shri A. P. Sharma]

not know how it escaped his notice. I don't think I have to say anything more.

MR. CHAIRMAN: Mr. Shamanna, are you going to withdraw your amendment, or do you want to press it?

SHRI T. R. SHAMANNA: Let it be withdrawn. I do not press it.

MR. CHAIRMAN: Is it the pleasure of the House that the amendment moved by Shri Shamanna be withdrawn?

Amendment No. 1 was, by leave, withdrawn.

MR. CHAIRMAN: For clause 2, Mr. Banatwalla has given an amendment. But he is not here. The question is:

"That clause 2 stand part of the Bill."

The motion was adopted.

Clause 2 was added to the Bill.

Clause 3 was added to the Bill.

Clause 4 was added to the Bill.

Clause 5 was added to the Bill.

Clause 1, Enacting Formula and the Title were added to the Bill.

MR. CHAIRMAN: Now the Minister.

SHRI A. P. SHARMA: Sir, I beg to move:

"That the Bill be passed."

MR. CHAIRMAN: The question is:

"That the Bill be passed."

The motion was adopted.

16.04 hrs.

RE. ADJOURNMENT *SINE DIE* OF LOK SABHA ON AUGUST 12, 1980

DR. FAROOQ ABDULLAH (Srinagar): Sir, the House has been called again for the 14th. I hope Government would not mind, because the business has probably been completed. If there is still a little more business to be completed, I would request that tomorrow, we don't have the lunch-break, but the House adjourns tomorrow and does not meet again on the 14th—if Government does not object to my requesting for this.

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI BHISHMA NARAIN SINGH): If the House is agreeable, I will cooperate with everybody.

DR. KARAN SINGH (Udhampur): Will it adjourn tomorrow then?

SHRI BHISHMA NARAIN SINGH: It will adjourn *sine die*. If it has to adjourn tomorrow, it will adjourn *sine die*.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : कुछ डिसकशंज होने की बात थी। बाढ़ के बारे में भी—

श्री भीष्म नारायण सिंह : कल बाढ़ पर कर लें, मुझे आपत्ति नहीं है।

श्री रामावतार शास्त्री : 16 को करिये या 18 को करिये।

श्री भीष्म नारायण सिंह : अध्यक्ष जी सहमत हों और कल बाढ़ पर चर्चा हो जाए तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। अध्यक्ष महोदय की अगर अनुमति हो तो कल ही बाढ़ पर वाद-विवाद हो जाय, मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

सभापति महोदय : ठीक है।

श्री इन्द्रजीत गुप्त (बसीरहाट) : आप क्यों नहीं बुलाते हैं रिप्रेजेन्टेटिव्ज आफ ग्रुप्स को इसके बारे में ?

श्री भीष्म नारायण सिंह : यही राय ले रहे हैं सदन में भी आप जब यहां हैं ही। मेरा यही कहना है इसके सम्बन्ध में कि अगर कल ही सदन को स्थगित करना चाहें तो सरकार इसमें बाधक नहीं होगी।

श्री रामावतार शास्त्री। बिहार में शायद कल ही ईद है जैसा कि अखबारों में आया है। दूसरी जगहो परसों होगी। दो बार ईद होती ही है बिहार में।

डा० फारुक अब्दुल्ला : ईद परसों है और हमारे इस सदन के मैम्बर, एक दिन के लिये वापिस नहीं आ सकेंगे, इसलिये हम कहते हैं कि अगर आप कल ही एडजार्न करें तो हम परसों जा सकेंगे।

सभापति महोदय : ऐसा नजर आता है कि सदन के बहुत सारे मेम्बरों का विचार है कि 14 तारीख को न बैठे, कल ही खत्म करें। कल का बिजनेस आज भी थोड़ा ज्यादा बैठकर कर सकते हैं, कल भी बैठें और लंच आवर भी न करें।

श्री चन्द्रजीत यादव (आजमगढ़) : यह सदस्यों की दिक्कत तो है अगर 13 को ईद है तो वाकई लोग जायेंगे और फिर एक दिन के लिये 14 को वापिस आयेंगे अगर गवर्नमैन्ट एडजस्ट करती है तो बिजनेस को कल कर सकती है।

श्री भीष्म नारायण सिंह : मैंने कहा ही है कि अगर अध्यक्ष महोदय चाहें और सदस्य चाहें सदन को अनिश्चित काल के लिये स्थगित करना तो हम उसमें सहयोग करेंगे।

सभापति महोदय : थोड़ा बिजनस कम ज्यादा वक्त बैठकर कर लेंगे, लंच आवर खत्म करेंगे और आज भी थोड़ा ज्यादा देर बैठेंगे। (*व्यवधान*)

PROF. N. G. RANGA (Guntur): How can the House be taken in that light manner? We have so much work to be done; neither the Government nor the Opposition can be so lighthearted as to simply say that. We have so many festivals, other religious festivals; they are all important. If they want they can adjourn certainly for one day. It does not mean that just because they have got to adjourn for the sake of one particular religious festival, the House should be adjourned *sine die*. That is not proper. We may adjourn tomorrow but the day after we must assemble here.

सभापति महोदय: At some places it seems on the 14th people are celebrating Id.... (*Interruptions*)

मेरे ख्याल से बहुत सारे सदस्यों का ऐसा विचार है कि कल ही खत्म करें, 14 के दिन काम न करें। जो भी अहम काम है कल ले लें, ज्यादा देर बैठकर ले लें, लंच ब्रेक खत्म करें, और आज भी थोड़ा देर बैठने की जरूरत हो तो बैठें।

श्री रामावतार शास्त्री : हम लोगों की बात आपने सुनी ही नहीं। कल का बिजनेस आज कैसे होगा ? यह क्या बात हुई ? (*व्यवधान*)।

सभापति महोदय : मैंने इसीलिये कहा कि आज एक अहम मसला हमारे सामने है, आधा घंटा दूसरी चीज के लिये हैं, उसके लिये भी हम यूटिलाइज कर सकते हैं। इसके लिये कहा है, यह सारा ध्यान में रखकर कहा है। कल का बिजनेस आज ले ही नहीं सकते यह कैसे आ सकता है। कल का बिजनेस नहीं आ सकता है।

SHRIMATI GEETA MUKHERJEE (Panskura): What is the decision?

MR. CHAIRMAN: Tomorrow the House will adjourn *sine die*. Tomorrow we are meeting. We now take up the next item of business.